प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

कृषकोपयोगी नवीनतम विकसित कृषि तकनीकों पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

पंतनगर। 10 मार्च 2021। विश्वविद्यालय में राज्य कृषि प्रबंधन एवं प्रसार प्रशिक्षण संस्थान (समेटी) के तत्वाधान में तीन दिवसीय 'कृषकोपयोगी नवीनतम विकसित कृषि तकनीक' विषय पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कृषक भवन एवं प्रशिक्षण केन्द्र में किया गया। यह कार्यक्रम कृषि निदेशालय देहरादून के वित्तीय सहयोग से आयोजित हुए। इन कार्यक्रमों का उद्घाटन निदेशक, प्रसार शिक्षा एवं समेटी-उत्तराखण्ड, डा. अनिल कुमार शर्मा द्वारा किया गया।

डा. अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा पर्वतीय, तराई एवं भाबर क्षेत्रों हेतु मशरूम उत्पादन, मौन पालन, जैविक खेती, औषधीय एवं सगन्ध पौधों की खेती, कुक्कुट व डेयरी प्रबन्धन जैसे अनेक तकनीकों को विकसित किया गया है। प्रसार कार्यकर्ता एवं कृषक अपने क्षेत्र तथा भौतिक परिस्थितियों के अनुरूप इन तकनीकों का चयन कर सकते हैं जो उनके जीवन स्तर को सुधारने में मददगार साबित होंगे।

समेटी के समन्वयक एवं सस्य विज्ञान के प्राध्यापक, डा. बी.डी. सिंह, ने उपस्थित अधिकारियों का स्वागत करते हुए समेटी एवं प्रशिक्षण के बारे में बताया। उन्होंने इन तीन दिवसीय प्रशिक्षण में सूक्ष्म सिंचाई तकनीक, मशरूम उत्पादन, बेमौसमी सब्जी उत्पादन, दलहन एवं तिलहनों की खेती तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के अवसर की भी जानकारी दी। डा. सिंह द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को उद्यान शोध केन्द्र, सब्जी अनुसंधान केन्द्र, शैक्षणिक कुक्कुट प्रक्षेत्र एवं शैक्षणिक डेयरी प्रक्षेत्र, मत्स्य विज्ञान इत्यादि शोध केन्द्रों का भ्रमण कराया गया तथा प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के उपरान्त अपने अनुभवों का साझा करते हुए बताया कि शोध केन्द्रों के शैक्षणिक भ्रमण एवं कार्यक्रम के दौरान बतायी गयी तकनीकों का अपने क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे, जिससे किसानों के आय संवर्धन में वृद्धि होगी एवं युवाओं का पलायन भी रोका जा सकेगा। इन दोनों प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद रूद्रप्रयाग, चमोली, चम्पावत, बागेश्वर, टिहरी, पिथौरागढ़, हरिद्वार, देहरादून, नैनीताल एवं ऊधम सिंह नगर के आतमा के अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान संयुक्त निदेशक, डा. अनुराधा दत्ता ने भी अनेक महत्वपूर्ण जानकारियों का साझा किया। कार्यक्रम का संचालन यंग प्रोफेशनल-द्वितीय, अनीता यादव ने किया।

भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों को जानकारी देते सब्जी अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिक।